10. सर्वनाम

सर्वनाम यानि 'सबके लिए नाम' या 'सबका नाम'। संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं। भाषा में एक ही शब्द के बार-बार प्रयोग से भाषा की सुंदरता नष्ट होती है। भाषा के सौंदर्य को बचाए रखने के लिए सर्वनाम का प्रयोग किया जाता है। इसके प्रयोग से भाषा सहज और स्पष्ट हो जाती है।

शिक्षण-संकेत

- शिक्षक/शिक्षिका छात्रों से सर्वनाम की परिभाषा बताने को कहें।
- पृष्ठ 83 पर दिए वाक्यों को पढ़वाएँ तथा उनमें आए सर्वनाम शब्दों के बारे में बताएँ।
- सर्वनाम के भेद छात्रों से पूछें, तदुपरांत स्वयं उन्हें बताएँ।
- सर्वनाम की उपयोगिता के बारे में चर्चा करें।
- पृष्ठ 83-86 पर दिए सर्वनाम भेदों को एक-एक करके समझाएँ।
- पुरुषवाचक सर्वनाम के तीनों भेदों का परिचय दें।
- पूछें, उत्तम पुरुष, मध्यम पुरुष तथा अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम किनके लिए प्रयोग होते हैं।
- बीच-बीच में सर्वनाम के भेदों के उदाहरणों में से सर्वनाम शब्द बताने को कहें।
- सर्वनाम शब्दों का विशेष प्रयोग बताएँ। ध्यान दिलाएँ कि 'आप' सर्वनाम का प्रयोग मध्यम पुरुष और अन्य पुरुष दोनों में होता है। यह आदरसूचक सर्वनाम है।
- सर्वनाम शब्दों की रूप रचना के बारे में समझाते हुए पृष्ठ 86-88 पर दिए सर्वनाम भेदों के कारक के साथ एकवचन-बहुवचन रूप पढ़वाएँ।
- प्रत्येक छात्र को अभिव्यक्ति का अवसर दें।
- अभ्यास के मौखिक प्रश्नों के उत्तर छात्रों से पूछें।